वार्षिक प्रतिवेदन

माँ भगवती शूलिनी के दिव्य धाम सोलन में अवस्थित संस्कृति तथा संस्कारयुक्त शिक्षा को समर्पित राजकीय संस्कृत महाविद्यालय सोलन का यह संस्थान अपने इस सभागार में सोलन मण्डल के यशस्वी पूर्व संस्कृत विशेषाधिकारी डॉ. कुमार सिंह सिसोदिया जी को पाकर अपने आप को धन्य मानते है। आप न केवल एक प्रतिष्ठित प्रशासनिक अधिकारी के रूप मे जाने जाते हैं, अपितु एक सुशिक्षित विद्वान्, राष्ट्रसेवा को समर्पित, शालीन तथा शिष्ट व्यक्तित्व के धनी हैं । ऐसे महापुरुष का महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव, 2022-23 के शुभ अवसर पर मैं हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करते हुए गौरवान्वित महसूस करता हूँ । हमारे स्वल्प आग्रह को स्वीकार करके मुख्यातिथि के रूप में यहां पधार कर आपने जो हमें कृतार्थ किया है उसके लिए हमारे महाविद्यालय का छात्र समुदाय, प्राध्यापक वृन्द तथा कर्मचारी वर्ग एवं सोलन नगर का संस्कृत-जगत् सदैव आपका ऋणी एवं आभारी रहेगा ।

कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में संस्कृत जगत् के विशिष्टतम विद्वान्, कविश्रेष्ठ , सुप्रसिद्धि व्यास एवं संस्कृत जगत् के माननीय प्रो.केशव राम शर्मा जी का भी मैं हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करता हूँ ।

मान्य मुख्यातिथि महोदय! आपकी अनुमति से मैं सत्र 2022-23 में महाविद्यालय की उपलब्धियों, गतिविधियों , अपेक्षाओं को मध्यनजर रखते हुए इस प्रतिवेदन के माध्यम से आप सब के समक्ष प्रस्तुत करता हूँ ।

कक्षाएं

महाविद्यालय में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला तथा शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार मैट्रिक के पश्चात् प्राक्शास्त्री-1 तथा प्राक्शास्त्री-2 तत्पश्चात् शास्त्री प्रथम वर्ष से शास्त्री तृतीय वर्ष तक की कक्षाएं सञ्चालित होती हैं । इनका स्तर B.A. Hounors के समान है । गत कई वर्षों से यहाँ स्नातकोत्तर साहित्याचार्य की कक्षाएं भी आरम्भ हो चुकी हैं । आचार्य की कक्षा स्नातकोत्तर एम.ए. संस्कृत के समकक्ष है । वर्तमान सत्र में इस महाविद्यालय में 211 छात्र, 148 छात्राएं, कुल 359 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं जिनमें अनुसूचित जाति के 56, अनुसूचित जनजाति के 11 , अन्य पिछडा वर्ग के 75 छात्र हैं । सामान्यतः ग्रामीण परिवेश से आने वाले तथा निर्धन परिवार से सम्बन्धित छात्र- छात्राएं यहाँ अध्ययनरत हैं ।

भवन एवं छात्रावास

हिमाचल प्रदेश सरकार के सौजन्य से निर्मित महाविद्यालय के इस पञ्चतलीय भवन का शिलान्यास तत्कालीन मुख्यमन्त्री राजा वीरभद्र सिंह जी ने 6 अप्रैल, 2006 को किया तथा 3 अक्तूबर 2011 को तत्कालीन मुख्यमन्त्री प्रो.प्रेम कुमार धूमल ने इस का शुभारम्भ किया। लगभग 3 करोड की राशि से निर्मित इस भवन के निर्माणार्थ संस्कृत महाविद्यालय परिवार तथा सोलन का संस्कृत समाज विशेष रूप से सरकार का आभार व्यक्त करता है तथा इस महत्त्वपूर्ण कार्य को पूर्ण करने का श्रेय इस महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. कुमार सिंह सिसोदिया जी को जाता है।

मुख्य मार्ग (माल रोड) पर स्थित पुरातन भवन है जिसे कभी एक दानी महिला ने कन्या छात्रावास हेतु ही दान किया था। वहाँ विधिवत् कन्या छात्रावास का निर्माण प्रस्तावित है। छात्र-छात्रावास अनेक वर्षों से किराए के भवन में चल रहा है जहां 26 छात्रों के रहने की व्यवस्था है।

प्राध्यापक तथा कर्मचारी वर्ग

वर्तमान में महाविद्यालय में निम्नलिखित पद स्वीकृत हैं -

प्राचार्य- 1 पद

आचार्य- 6 पद (साहित्य-2, व्याकरण-1, दर्शन-1, वेद-1, ज्योतिष-1)

संस्कृतेतर विषय (कॉलेज संवर्ग)- 2 प्राध्यापक (अंग्रेजी-1, हिन्दी-1)

अधीक्षक ग्रेड-II- 1 पद

लिपिक- 1पद

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी- 4 पद

वर्तमान में सफाई कर्मचारी स्थानीय पी.टी.ए द्वारा अस्थायी रूप से नियुक्त किया गया।

परीक्षापरिणाम

अत्यन्त समर्पित, कर्मठ प्राध्यापक वर्ग के परिश्रम से हमारे महाविद्यालय का गत सत्र 2022-23 का परीक्षा परिणाम प्रभावशाली रहा है।

केन्द्रीय छात्र-परिषद्

हि.प्र. विश्वविद्यालय की अधिसूचना के अनुसार वर्तमान सत्र 2022-23 के लिए वरीयता-क्रम के अनुसार सितम्बर 2023 को सम्पन्न हुए केन्द्रीय छात्र परिषद् (CSA) में निम्न पदाधिकारी मनोनीत हुए -

अध्यक्ष- हर्ष शर्मा, शास्त्री अन्तिम वर्ष

उपाध्यक्ष- हिमांशु शर्मा, शास्त्री द्वितीय वर्ष

सचिव- रोहित शर्मा , शास्त्री अन्तिम वर्ष

सह सचिव- कंचन शर्मा, शास्त्री प्रथम वर्ष

इनके अतिरिक्त कक्षा प्रतिनिधियों तथा क्रीडा, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि के लिए सर्व सम्मति से छात्रों को मनोनीत सदस्यों के रूप में शामिल किया गया । डॉ. भानु शर्मा (व्याकरणाचार्य) छात्र परिषद् के पर्यवेक्षक नियुक्त किये गए।

छात्र- वृत्तियाँ

हिमाचल / भारत सरकारद्वारा संचालित छात्रवृत्ति हेतु Direct Cash Scheme को महाविद्यालय में पूर्णतया लागू किया गया है जिससे छात्रों की विभिन्न छात्रवृत्तियाँ सीधे उन के खातों में चली जाती हैं। सत्र 2022 - 23 के लिए कुल 8 छात्रों को विभिन्न छात्रवृत्तियाँ विभाग द्वारा प्रदान की गई । वर्तमान 2022-23 के लिए छात्रों के प्रपत्र प्रेषित किये गए हैं । विशेष रूप से SJVN स्कीम के अन्तर्गत महाविद्यालय की छात्रा को 24000 प्राप्त हुए हैं ।

प्राध्यापक अभिभावक संघ (P.T.A.)

श्रीमती रीना शर्मा पी.टी.ए प्रधान, श्रीमती विद्या देवी उपप्रधान, डा०विनय कुमार शर्मा महासचिव, श्री अरुण शर्मा संयुक्त सचिव, तथा डॉ०लेखरामशर्मा मुख्य सलाहकार हैं ।

'पाठ्येतर कार्यक्रम तथा गतिविधियाँ'

1. छात्रों में पारस्परिक सद्भाव के साथ-साथ प्रतिस्पर्धात्मक भावना को सुदृढ करने तथा विभिन्न कार्यक्रमों, सामाजिक / वैयक्तिक एवम् चारित्रिक विकास की दृष्टि

से समस्त छात्र-वृन्द को पाणिनि, पतञ्जलि, व्यास और कालिदास सदनों में विभाजित करके विभिन्न गतिविधियों में सकारात्मक रूप से जोड़ा गया है।

2. 5 सितम्बर 2022 को अध्यापक दिवस के उपलक्ष्य में विशिष्ट कार्यक्रमों का आयोजन छात्र समुदाय की ओर से किया गया जिसमें सभी प्राध्यापकों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

3. स्वतन्त्रता दिवस पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हर घर तिरंगा व आजादी का अमृत महोत्सव पर्व नाम देकर सरकार द्वारा प्रतिपादित मुख्य विन्दुओं व जाने-माने स्वर्णकार द्वारा छात्रों को झण्डे वितरित कर जलपान करवाया गया, साथ ही देशभक्ति-गीत द्वारा सम्पूर्ण नगर की परिक्रमा करवाई गई।

अगस्त मास में ही महाविद्यालय के छात्रों द्वारा हि. प्र. संस्कृत अकादमी के सौजन्य से माँ ज्वालाजी के स्थान पर जाकर जो उपलब्धि छात्रों द्वारा प्राप्त की गई, उससे संस्था अपने आपको गौरवान्वित महसूस करती है।

छात्रों की बॉलीबॉल टीम ने रा.म.रामपुर में अन्तर्महाविद्यालय प्रतियोगिता में संस्था का प्रतिनिधित्व किया तथा इसी वर्ष डॉ. आशा शर्मा ने ग्रुप-1प्रतियोगिता में छात्र हित को ध्यान में रखते हुए शिमला जिला में स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय (RKMV) में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में शास्त्री अन्तिम वर्ष के मेघावी छात्र रोहित शर्मा द्वारा प्रस्तुति दी गई।

इस के साथ ही शिमला में गेयटी थियेटर में हिन्दी दिवस पर आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लेकर छात्रों ने विभिन्न पुरस्कार प्राप्त किए।

इस वर्ष महिला वर्ग की कबड्डी टीम ने राजकीय डिग्री कॉलेज अर्की में अन्तर्महाविद्यालय प्रतियोगिता में उत्तम प्रदर्शन किया।

इसके अतिरिक्त गीता जयन्ती के अवसर पर महाविद्यालय में सामूहिक गीता पाठ का आयोजन किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय सभागार में भाषण प्रतियोगिता, नारा लेखन, पोस्टर मेकिंग व रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस वर्ष महाविद्यालय में सफलता पूर्वक इको क्लब का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें पौधारोपण, रंगोली, स्लोगन, लघुप्रश्नोत्तरी एवं विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

इस सत्र दिसम्बर मास में महाविद्यालय परिसर में NSS का सप्तदिवसीय कार्यक्रम हुआ जिसमें प्रतिदिन भिन्न-भिन्न स्रोतविदों ने अपने- अपने विषय प्रस्तुत कर सभी छात्रों को लाभान्वित किया।

दिसम्बर 2022 को महाविद्यालयीय विद्यार्थियों की ठोडो ग्राऊंड में विभिन्न क्रीडा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

गत 09, 10,11 मार्च 2023 को महाविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रमों- भाषण, श्लोकोच्चारण,गीतिका-गायन,एकलगीत,लघु प्रश्नोत्तरी आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं की स्पर्धात्मक भावना विशेष रूप से व्यक्त हुई। विजयी छात्रों को आज यहाँ पुरस्कृत किया जा रहा है।

इस महाविद्यालय में उच्चतर शिक्षा निदेशालय के अनुसार रोड सेफ्टी विषय पर कार्यक्रम हुआ जिसमें जिलाधीश कार्यालय से महाविद्यालय तक रैली की गई एवं महाविद्यालय पहुंच कर रोड सेफ्टी क्लब के प्रभारी तथा प्राचार्य ने सभी छात्रों को इस उपलक्ष्य पर सड़क-सुरक्षा से सम्बन्धित जानकारी प्रदान की।

'महाविद्यालय की उपलब्धियाँ तथा योजनाएँ'

महाविद्यालय का एक समृद्ध पुस्तकालय है जहाँ अध्ययन-अध्यापन, चिन्तन- विवेचन तथा शोध के लिए उपयोगी लगभग 12000 पुस्तकों का संग्रह है। डॉ. भानु शर्मा व्याकरणाचार्य पुस्तकालय के प्रभारी हैं।

महाविद्यालयको NAAC 'राष्ट्रीय सम्बद्धता मूल्यांकन परिषद्' के साथ संयोजित करने का कार्य प्रगति पर है। NAAC तथा यू.जी.सी.सम्बन्धी योजनाओं के लिए डॉ.देव कान्त शर्मा, सहायकाचार्य, अंग्रेजी, निरन्तर प्रयत्नशील हैं ।

4. महाविद्यालय परिसर को सीसीटीवी कैमरों से जोड़ा गया है जो महाविद्यालय की सुरक्षा और अनुशासन के लिए अत्यन्त उपयोगी है। सभी परीक्षा कक्षों को भी सी सी टी वी कैमरों से जोड़ा गया है ।

महाविद्यालय की विभिन्न आवश्यकताएँ

मुख्यातिथि महोदय से अनुरोध है कि पुराना महाविद्यालय जो कि काफी समय से खाली पड़ा है । उसे असुरक्षित घोषित करने के लिए महाविद्यालय परिवार प्रयासरत है जिसमें आपके सहयोग की नितान्त आवश्यकता है । इसके साथ-साथ छात्र-छात्रावास, जो कि विगत वर्षों से डॉ. विनय कुमार शर्मा, वेदाचार्य द्वारा सुचारु रूप से चलाया जा रहा है । उसे खाली करवाने के लिए भी भवन-मालिक कई वर्षों से प्रयासरत है । इस कार्य के लिए भी आपके मार्गदर्शन की अत्यन्त आवश्यकता है ।

डॉ. नरेश चन्द
प्राचार्य
राजकीय संस्कृत महाविद्यालय, सोलन, हि.प्र.